Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Samacharishatakam

Folder No.	002668
Granth Name	Samacharishatakam
Author	Samaysundargani
Publisher	Jindattsuri Jain Bhandar – Mumbai
Edition	1
Year	1939
Pages	398

सामाचारीशतकम्

फोल्डर नं.	००२६६८
ग्रन्थ	सामाचारीशतकम्
मूल	समयसुंदरगणि
प्रकाशक	जिनदत्तसूरि जैन भंडार – मुंबई
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	१९३९
पृष्ठ	३९८

मुख्य टाईटल

समर्पण

નિવેદન

विषयानुक्रम

पूर्वं करेमि भंते पश्चात ईर्यापथिकी अधिकार । ---------- १

पर्वदिने एव पौषधाचरणाधिकार । ---------- ६

श्रीमहावीरदेवस्य षट्कल्याणकाधिकार । ---------- १६

श्रीअभयदेवसूरे खरतरगच्छेत्वाधिकार । ---------- १९

आयरिय उवज्झाए श्रावकपठनाधिकार । ---------- २९

साधूनां साध्वीभि समं विहारनिषेधाधिकार । ---------- ३०

पर्युषितद्विदलमण्डकग्रहणविचाराधिकार । ---------- ३५

पूर्वं पाक्षिकप्रतिक्रमणं पञ्चदश्यां आसीदित्यधिकार ---------- ३९

कसेल्लकपानीयाधिकार । ---------- ४४

आचाम्ले द्रव्यद्वयग्रहणाधिकार । ---------- ४७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

अपक्कदुग्धमध्ये द्विदलग्रहणनिषेधाधिकार । ---------- ४९
सङ्गरप्रमुखाणां द्विदलत्वाधिकार । ---------- ४९
श्रावकाणां पानकागार निषेधाधिकार । ---------- ५०
तरुणस्त्रिया मूलप्रतिमा – पूजानिषेधाधिकार । ---------- ५१
श्रावकाणां एकादशप्रतिमावहननिषेधाधिकार । ---------- ५२
अनेकोपवासप्रत्याख्याननिषेधाधिकार । ---------- ५४
सामायिकदण्डको वारत्रयं वाच्य ईत्यधिकार । ---------- ५६
श्रावकाणां चलवलकं नैश्चयिकं न भवतीत्यधिकार । ---------- ५७
पौषधिकानां पश्चिमरात्रौ नवीनसामायिकग्रहणाधि---------- ५९
उग्घाडापोरिसी – भणनाधिकार । ---------- ५९
जातमृतकसूतकपिण्डनिषेधाधिकार । ---------- ६०
तस्स धम्मस्स केवलिपन्नत्तस्स कथननिषेधाधिकार । ---------- ६२
श्रावणभाद्रपदयो वृद्धौ ५० दिनै पर्युषणा कार्या ---------- ६३
कल्पसूत्रवाचने नववाचनानियमाभावाधिकार । ---------- ६५
पौषधमध्ये उपधानं विना भोजननिषेधाधिकार ---------- ६६
सूरेरेव जिनप्रतिमाप्रतिष्ठाधिकार ।---------- ६७
चतुर्दशीहानौ पूर्णिमायां पौषधादिकार्यकरणाधिकार । ---------- ६८
तिथिवृद्धौ प्रथमा तिथि मान्या ईत्यधिकार । ---------- ६९
भोजनानन्तरं पौषधग्रहणनिषेधाधिकार । ---------- ७०
उपधानमध्ये पौषधग्रहणाधिकार । ---------- ७१
सामायिकग्रहणे ८ नमस्कारै स्वाध्यायकरणाधिका ---------- ७१
कम्बलवस्त्रादिप्रतिलेखने प्रभाते सन्ध्यायां च विशे. ---------- ७२
सामायिकग्रहणे प्रभाते पूर्वं बईसणं तत स्वाध्यायं. ---------- ७२
सामायिकादौ उत्सर्गत प्रावरणनिषेधाधिकार । ---------- ७२
प्रतिक्रमणस्थापने क्षमाश्रमणचतुष्कं एव न पञ्चकम ---------- ७३
कार्तिकवृद्धौ प्रथमकार्तिके चातुर्मासिकप्रतिक्रमणाधि. ---------- ७४
अनुत्कालितगोरसेन समं मीलिते द्विदलान्ने दोषाधि ---------- ७४
८५ आगमस्थापनाधिकार । ---------- ७६
आगमे जिनप्रतिमापूजाधिकार । ----------८१
जिनप्रतिमास्थापना जिन ईत्यधिकार । ---------- ९५
जिनप्रतिमापूजाफलाधिकार । ---------- ९९
आज्ञासहितदयाधर्माधिकार । ---------- १०१
देवानां विरतिधर्मं विना सर्वे धर्मा । ---------- १०६
देवस्थितेरपि पुण्यत्वाधिकार । ---------- १०९
योगोपधानवहनाधिकार ।---------- ११०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

साधूनां दण्डग्रहणाधिकार । ----------११२
पञ्चचत्वारिंशदागममाननाधिकार । ---------- ११४
जिनप्रतिमापूजाया जिनप्रतिमापूजाफलस्य चाऽधिका. ---------- ११५
श्रावकाणां मुखवस्त्रिकाधिकार । ----------११८
द्वितीयवन्दनकमुत्थाय दातव्यमित्यधिकार । ----------१२१
साधूनां भक्तपानग्रहणाय योग्यायोग्याधिकार । ---------- १२२
होई मंगल ईति पाठनिषेधाधिकार । ---------- १२३
अशनादिनिर्णयाधिकार । ---------- १२५
शृङ्गाटकानामभक्ष्यत्वाधिकार । ---------- १२८
लवणादिसप्तानां प्रासुकाधिकार । ---------- १२९
सचित्ताचित्तचूर्णविचाराधिकार । ----------१३१
प्रासुकमपि पानीयमियता कालेन सचित्तं भवतीत्यधि. ----------१३१
जर्गर्यादिपक्वान्नप्रमुखाणां ग्राह्याग्राह्याधिकार । ---------- १३२
दैवसिकरात्रिकप्रतिक्रमणं कियत्कालं यावच्छुध्यतीत्य.---------- १३३
पञ्चम्या पर्वत्वाधिकार । ---------- १३४
चतुर्थ्या श्रीपर्युषणापर्वकरणाधिकार । ---------- १३५
श्रीजिनवल्लभसूरिसामाचार्यदिकार । ---------- १३७
श्रीजिनदत्तसूरिसामाचार्यधिकार । ---------- १३८
श्रीजिनपतिसूरिसामाचार्यधिकार । ---------- १३९
व्यवस्थापत्राधिकार । ---------- १४१
पाक्षिकप्रतिक्रमणे क्षामणायां न आन्तरीणानामक छन्दनादोष ईत्यधिकार । ---------- १४२
देवसियं राईयं पाठकालाधिकार । ---------- १४२
एकपट्टमुखवस्त्रिकोपरि वन्दनकदानाधिकार । ---------- १४३
पदस्थानां व्यवस्थाविधिरधिकार । ---------- १४३
अनुयोगदानविसर्जनविधिरधिकार । ---------- १४४
पर्युषणपर्वणि भवनदेवताकायोत्सर्गाधिकार । ---------- १४४
पाक्षिकसूत्रभणने श्रुतौ च पूर्वपाठक्रमाधिकार । ---------- १४६
लोचकारापणविधिरधिकार । ---------- १४६
श्रावकाणामतिचारचिन्तनपाठाधिकार ---------- १४७
धृतपतने तद्दोषनिवारणविधिरधिकार । ---------- १४७
क्षुत्करणे तद्दोषनिवारणविधिरधिकार । ---------- १४८
मार्जारीमण्डलीप्रवेशनदोषनिवारणविधिरधिकार ---------- १४८
सामायिकग्रहणे त्रयोदशक्षमाश्रमणाधिकार । ---------- १४८
अस्वाध्यायविचाराधिकार । ---------- १४९
चैत्रीपूर्णिमा देववन्दनविधिरधिकार । ---------- १५२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

गुरुस्तूपप्रतिष्ठाविधिरधिकार । ---------- १५२
श्रावकाणां देवतावसरस्थापनापूजाविधिरधिकार । ---------- १५३
कल्पत्रेपोत्तारणविधिरधिकार । ---------- १५४
श्रावकप्रतिक्रमणविधिरधिकार । ---------- १५५
पौषधग्रहणाधिकार । ---------- १६७
दीक्षादानविधिरधिकार । ---------- १७०
उपधानविधिरधिकार । ---------- १७२
उत्कटद्रव्याधिकार । ---------- १७७
साध्वीनाम स्वत कल्पसूत्रवाचनाधिकार । ---------- १७९
षडावश्यकानामाधन्तव्यवस्थाधिकार । ---------- १७९
विंशतिस्थानकतपो विधिरधिकार । ---------- १७९
भोजने वन्दनाधिकार । ---------- १८०
अस्वाध्यायमेलनउत्तारणाधिकार । ----------१८१
पंचतिथीनां नामाधिकार । ---------- १८२
प्रभातिकप्रतिक्रमणप्रान्तताधिकार । ---------- १८३
साधूनां उत्सर्ग अपवादे वस्त्रग्रहणाधिकार ।---------- १८३
स्थापनायां पंचपरमेष्ठी अधिकार । ---------- १८५
श्रुतदेवता कायोत्सर्गाधिकार । ---------- १८६
मृत्तिकापानीयघटिकारक्षणाधिकार । ---------- १८९
शान्तिकविधिरधिकार । ---------- १८९

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org